जनपद स्तरीय सहयोगात्मक पर्यवेक्षण भ्रमण

जनपद : महाराजगंज, **दिनांक :18–20 जून 2018**

दिनांक 18.06.2018 को राज्य स्तरीय अनुश्रवण एवं पर्यवेक्षण टीम द्वारा जनपद में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन योजना के अन्तर्गत संचालित गतिविधियों एवं कार्यक्रमों के शत–प्रतिशत लक्ष्य की पूर्ति निर्धारित करने हेतु अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, आर0सी0एच0 की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गयाा। (प्रतिभागी सूची संलग्नं)। बैठक में चिकित्सा अधीक्षिक/प्रभारी चिकित्सा अधीक्षिक, जिला कार्यक्रम प्रबन्धक तथा ब्लाक लेखा प्रबन्धकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। बैठक में निम्न बिन्दुओं पर चर्चा की गई–

सास बहू सम्मेलन–जनपद में समस्त ब्लाकों में सास बहू सम्मेलन आयोजित नही किया गया है। अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, आर0सी0एच0 द्वारा उपस्थित चिकित्सा अधीक्षिको/प्रभारी चिकित्सा अधीक्षिको को निर्देशित किया गया कि वह अपने ब्लॉक में सास बहू सम्मेलन कराना सुनिश्चित करें।

परिवार नियोजन कार्यक्रम – घुघौली, रतनपुर, बहादुरी, फरेंदा, धानी, पनियरा में अपेक्षित कार्यभार (ई0एल0ए0) के सापेक्ष एक भी नसबंदी (महिला एवं पुरूष) नहीं हुई है। पूरे जनपद में वर्तमान वित्तीय वर्ष में एक भी नसबंदी नही की जा सकी है। जबकि महिला नसबंदी मात्र 1 प्रतिशत व पी0पी0आई0यू0सी0डी 5 प्रतिशत ही हो सकी है। जनपद के महाराजगंज एवं निचलौल ब्लाक में 1 प्रतिशत, घुघौली में 2 प्रतिशत पी0पी0आई0यू0सी0डी ईसर्शन किया गया है।

जनपद के समस्त ब्लॉको में तय लक्ष्य के अनुसार चिकित्सा इकाईयों में कंडोम बॉक्स की स्थापना कर दी गई है।

स्वस्थ गांव खुशहाल गांव – राज्य स्तरीय दल द्वारा स्वस्थ्य गांव, खुशहाल गांव के सम्बन्ध में विस्तृत चर्चा की गई। राज्य स्तरीय दल द्वारा उक्त के सम्बन्ध में जारी दिशा निर्देशों के अनुसार उपस्थित चिकित्सा अधीक्षिको/प्रभारी चिकित्सा अधीक्षिकों से अनुरोध किया गया कि वह यथा शीघ्र अपने ब्लाक सेकम से कम 05 गांवों को स्वस्थ्य गांव, खुशहाल गांव के रूप में चयनित करने की प्रक्रिया प्रारम्भ कर लें। स्वस्थ्य गांव, खुशहाल गांव के रूप में उन्हीं गांव का चयन किया जाये जो कि को खुले में शोच मुक्त गांव घोषित हो चुके हो, साथ ही गांव में गर्भवती महिला पंजीकरण 90 प्रतिशत, संस्थागत प्रसव 90 प्रतिशत तथा टीकाकरण भी 90 प्रतिशत होना चाहिए।

विभिन्न कार्यक्रमों में जनपद स्तरीय व्यय की स्थिति – जनपद में उपलब्ध बजट के सापेक्ष मात्र 23 प्रतिशत धनराशि का व्यय किया जा सका है। विभिन्न कार्यक्रमवार व्यय स्थिति निम्न तालिकानुसार है –

Scheme	Opening Balance as on 1-Apr-2018				Expenses F.Y. 2018-19	Closing Balance as on 31-05-2018			
	Opening Balance	Fund Received F.y. 2018-19	Interest	Total Fund Availabl e		Bank Balance	Bal On CHC/ PHC	Total	%
Reproductive and Child Health	886,00	0,00	0,00	**886,00**	145,26	795,53	-54,79	740,74	16%
Health Systems Strengthening	439,72	0,00	0,00	**439,72**	200,28	33,25	206,19	239,44	46%
Immunisation RI	80,77	0,00	0,00	**80,77**	19,38	60,84	0,55	61,39	24%
Intensified Pulse polio Immunization	34,72	0,00	0,00	**34,72**	4,47	1,72	28,53	30,25	13%
Integrated Disease Surveillance Programme	10,11	0,00	0,00	**10,11**	0,12	9,98	0,01	9,99	1%
National Vector Borne Disease Control Programme	24,93	0,00	0,00	**24,93**	0,87	39,35	-15,29	24,06	3%
National Leprosy Eradication Programme	3,91	0,00	0,00	**3,91**	0,00	4,25	-0,34	3,91	0%

Revised National Tuberculosis Control Programme	68,21	0,00	0,00	**68,21**	8,33	63,58	-3,70	59,88	12%
National Programme for Control of Blindness	17,15	0,00	0,00	**17,15**	0,00	17,15	0,00	17,15	0%
National Programme for Prevention & Control of Cancer, Diabetes, Cardiovascular Diseases and Stroke (NPCDCS)	71,43	0,00	0,00	**71,43**	0,00	71,43	0,00	71,43	0%
National Urban Health Mission	5,40	0,00	0,00	**5,40**	4,61	5,29	-4,50	0,79	85%
Total	**1642,35**	**0,00**	**0,00**	**1642,35**	**383,32**	**1102,37**	**156,66**	**1259,03**	**23%**

(जनपद स्तरीय प्रस्तुतीकरण में प्रदर्शित आंकड़ो के अनुसार)

विभिन्न कार्यक्रमों में ब्लाक स्तरीय व्यय की स्थिति – जनपद द्वारा डैप के अनुसार ब्लाकों को अवमुक्त की गई धनराशि के सापेक्ष समस्त ब्लाकों द्वारा मात्र 38 प्रतिशत धनराशि का व्यय किया जा सका है। विभिन्न कार्यक्रम एवं ब्लाकवार व्यय स्थिति निम्न तालिकानुसार है –

Block Name		All Programme					
	4 Month DAP Allotted	Opening Bal	Fund TRF 2018-19	Total Available Fund	Exp	Balance	%
CHC SISWA	95,55	0,28	20,00	**20,28**	17,93	2,35	88%
PHC GHUGALI	72,42	-1,06	15,00	**13,94**	13,66	0,28	98%
CHC LAXMIPUR	74,19	8,39	15,00	**23,39**	11,10	12,29	47%
PHC PANIYARA	71,93	17,72	5,00	**22,72**	14,32	8,40	63%
PHC MITHAURA	73,81	20,23	10,00	**30,23**	18,24	11,99	60%
CHC NICHLAUL	93,68	21,91	0,00	**21,91**	17,68	4,23	81%
PHC RATANPUR	77,60	31,01	5,00	**36,01**	17,90	18,11	50%
CHC PARTWAL	87,61	36,69	5,00	**41,69**	16,84	24,85	40%
CHC SADAR	68,60	27,00	5,00	**32,00**	13,28	18,72	42%
PHC BAHADURI	67,64	44,95	5,00	**49,95**	14,99	34,96	30%
CHC PHARENDA	70,86	53,88	0,00	**53,88**	15,92	37,96	30%
CHC DHANI	57,13	20,74	10,00	**30,74**	12,90	17,84	42%
DISTRICT Combined Hospital	115,75	131,21	0,00	**131,21**	6,59	124,62	5%
Total-	**1026,77**	**412,95**	**95,00**	**507,95**	**191,35**	**316,60**	**38%**

(जनपद स्तरीय प्रस्तुतीकरण में प्रदर्शित आंकड़ो के अनुसार)

रोगी कल्याण समिति –अपर मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि समस्त ब्लाकों को 04 माह की बैप आवंटित कर दिया गया है। उन्होंने समस्त ब्लाक स्तरीय चिकित्सा अधीक्षको/प्रभारी चिकित्सा अधीक्षको को निर्देशित किया कि बैप में आवंटित धनराशि को नियमानुसार व्यय करना प्रारम्भ कर दें। रोगी कल्याण समिति के अंतर्गत आवंटित धनराशि (प्रथम किश्त) का जुलाई 2018 तक व्यय करना सुनिश्चित कर ले। साथ ही उक्त धनराशि को व्यय करने से पूर्व शासी निकाय एवं कार्यकारी समिति से अनुमोदन अवश्य प्रदान करें। इसके साथ ही शासी निकाय एवं कार्यकारी समिति की बैठको के कार्यवृत्त रोगी कल्याण समिति के रजिस्टरों पर अंकित अवश्य करें।

ब्लाकवार उपकेन्द्र स्तरीय अनटाईड धनराशि के अन्तर्गत व्यय की गई धनराशि – जनपद में उपलब्ध उपकेन्द्र स्तरीय अनटाईड फण्ड के सापेक्ष मात्र 3 प्रतिशत की धनराशि व्यय की गई है। जनपद के ब्लाकवार उपकेन्द्र स्तरीय व्यय की स्थिति निम्न तालिकानुसार है –

Name of Block	No. of SCs	Opening Balance	Fund Release 2018-19	Total Fund Available	Total Exp.	Balance	%
Maharajganj	**24**	**0.47**	2.5	2.97	0,10	**2,87**	3%
Mithaura	**23**	**-1.19**	2.4	1.21	0,00	**1,21**	0%
Nichlaul	**24**	**0.07**	2.5	2.57	0,00	**2,57**	0%
Ghughuli	**23**	**-0.79**	2.4	1.61	0,00	**1,61**	0%
Siswa	**23**	**-1.22**	2.4	1.18	0,00	**1,18**	0%
Partawal	**23**	**0.39**	2.4	2.79	0,05	**2,74**	2%
Paniyara	**24**	**0.7**	2.5	3.2	0,00	**3,20**	0%
Dhani	**23**	**1.79**	2.4	4.19	0,02	**4,17**	0%
Bahaduri	**23**	**0.48**	2.4	2.88	0,00	**2,88**	0%
Farenda	**24**	**0.39**	2.5	2.89	0,69	**2,20**	24%
Laxmipur	**23**	**0.25**	2.4	2.65	0,25	**2,40**	9%
Ratanpur	**24**	**1.08**	2.5	3.58	0,00	**3,58**	0%
Total	**281**	**2.42**	**29.3**	**31.72**	**1,11**	**30,61**	**3%**

(जनपद स्तरीय प्रस्तुतीकरण में प्रदर्शित आंकड़ो के अनुसार)

ब्लाकवार वी0एच0एस0एन0सी0 स्तरीय अनटाईड धनराशि के अन्तर्गत व्यय की गई धनराशि –– जनपद में उपलब्ध वी0एच0एस0एन0सी0 स्तरीय अनटाईड धनराशि के सापेक्ष मात्र 3 प्रतिशत की धनराशि व्यय की गई है। जनपद के ब्लाकवार वी0एच0एस0एन0सी0 व्यय की स्थिति निम्न तालिकानुसार है –

Name of Block	No.	Opening	Fund Release 2018-19	Fund Available	Total Exp.	Balance	%
Maharajganj	**66**	1.18	3.96	5.14	0,34	**4,81**	7%
Mithaura	**87**	-2.89	5.22	2.33	0,00	**2,33**	0%
Nichlaul	**108**	4.42	6.48	10.9	0,00	**10,90**	0%
Ghughuli	**74**	0.04	4.44	4.48	0,00	**4,48**	0%
Siswa	**77**	1.31	4.62	5.93	0,00	**5,93**	0%
Partawal	**81**	2.23	4.86	7.09	0,49	**6,60**	7%
Paniyara	**75**	3.98	4.5	8.48	0,25	**8,23**	3%
Dhani	**20**	0.54	1.2	1.74	0,08	**1,66**	5%
Bahaduri	**66**	3.73	3.96	7.69	0,00	**7,69**	0%
Farenda	**76**	3.01	4.56	7.57	0,84	**6,74**	11%
Laxmipur	**96**	1.48	5.76	7.24	0,45	**6,79**	6%
Ratanpur	**103**	-0.49	5.24	4.75	0,00	**4,75**	0%
Total	**929**	**18.54**	**54.8**	**73.34**	**2,44**	**70,90**	**3%**

(जनपद स्तरीय प्रस्तुतीकरण में प्रदर्शित आंकड़ो के अनुसार)

जननी सुरक्षा योजना – जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत जनपद द्वारा माह मई 2018 में कुल हुए प्रसवों के सापेक्ष लाभार्थियों को 71 प्रतिशत भुगतान किया गया। शेष भुगतान हेतु अपर मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा समस्त ब्लाकों के चिकित्सा अधीक्षिको/प्रभारी चिकित्सा अधीक्षिकों को नियमानुसार शीघ्र भुगतान किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। जनपद में जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत प्रसवों के सापेक्ष भुगतान की स्थिति निम्न तालिकानुसार है –

Block	JSY Payment 2018-19			
	Delivery May 2018	Payment May 2018	Pending Payment	% Of Current yr achievement
Maharajganj	176	75	101	43%
Partawal	352	256	96	73%
Ghughuli	294	210	84	71%

Ratanpur	328	218	110	66%
Laxmipur	348	234	114	67%
Bahaduri	297	8	289	3%
Siswa	389	313	76	80%
Mithaura	422	336	86	80%
NIchlaul	309	224	85	72%
Pharenda	325	285	40	88%
Dhani	212	191	21	90%
Paniyara	296	261	35	88%
DCH	297	268	29	90%
	4045	**2879**	**1166**	**71%**

(जनपद स्तरीय प्रस्तुतीकरण में प्रदर्शित आंकड़ो के अनुसार)

जनपद में सिजेरियन प्रसवों की स्थिति – जनपद के परतावल और निचलौल ब्लाक में एक भी सिजेरियन प्रसव नही किये गये है। जबकि निचलौल ब्लाक में सिजेरियन प्रसव हेतु आवश्यक मानव संसाधन उपलब्ध है।

प्रतिपूर्ति राशि भुगतान–जनपद में समस्त ब्लाक स्तरीय चिकित्सा अधीक्षिको/प्रभारी चिकित्सा अधीक्षिको को अपर मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि आशाओं द्वारा किये जा रहे कार्यों के सापेक्ष प्रतिपूर्ति राशि का नियमित भुगतान किया जाना सुनिश्चित किया जाए। माह मई 2018 में जनपद में औसत आशा प्रतिपुर्ति राशि रू0 1811 है। जबकि लक्ष्मीपुर ब्लाक में औसत आशा भुगतान की राशि सबसे कम रू0 1011 ही है।उक्त के सम्बन्ध में अपर मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा औसत आशा भुगतान को रू0 2000 से अधिक किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। जनपद में आशाओं को विभिन्न मदों के अन्तर्गत निम्नानुसार धनराशि का भुगतान किया गया है –

Name Of Block	NO. Of ASHA	JSY	FP	HBNC	Routine Activity	ASHA facilitator	RI	National Programme	Total Payment	Average payment Per Month
Bahaduri	205	75000	31350	195750	363150	3900	69700	0	***738850***	1802
Dhani	171	217800	68600	137250	282600	2100	78850	0	***787200***	2302
Ghughuli	214	229200	4650	166000	278600	2400	60950	0	***741800***	1733
Laxmipur	201	91800	5500	96000	150750	3600	38400	20450	***406500***	1011
Mithaura	210	210000	12500	169250	324550	6000	183450	24000	***929750***	2214
Nichlaul	238	218400	1650	173000	440400	6600	25400	8000	***873450***	1835
Paniyara	215	158400	4650	174500	330300	4800	25400	23470	***721520***	1678
Partawal	232	154500	6000	154250	399400	2400	92650	18550	***827750***	1784
Pharenda	195	187200	41100	123750	283850	4200	100350	0	***740450***	1899
Ratanpur	221	167400	24100	153250	370850	5400	82650	25500	***829150***	1876
Sadar	174	131000	0	117250	250350	3000	71300	42800	***615700***	1769
Siswa	215	181200	10650	153500	348750	0	114100	0	***808200***	1880
Total	**2491**	**2021900**	**210750**	**1813750**	**3823550**	**44400**	**943200**	**162770**	**9020320**	**1811**

(जनपद स्तरीय प्रस्तुतीकरण में प्रदर्शित आंकड़ो के अनुसार)

बैठक के दौरान यह ज्ञात हुआ कि उपस्थित प्रतिभागियों को कमिटेड धनराशि एवं उसके नियमानुसार व्यय के सम्बन्ध में अभिमुखीकरण किये जाने की आवश्यकता है। उक्त के सम्बन्ध में, बैठक के दौरान अपर मुख्य चिकित्साधिकारी को अवगत करा दिया गया।

प्रशिक्षण–आशाओं के समस्त प्रकार के प्रशिक्षणो यथा – आशा इंडक्शन ट्रेनिंग,आशा 6–7 माड्यूल प्रशिक्षण के तीनों चक्रों का प्रशिक्षण इत्यादि को 30 जून, 2018 तक अवश्य पूर्ण करा ले, साथ ही उक्त प्रशिक्षणों पर होने वाले व्यय को एफ0एम0आर0 में भी बुक करा दें।

द्वितीय दिवस दिनांक 19 जून 2018
जिला संयुक्त चिकित्सालय,महाराजगंज

जिला संयुक्त चिकित्सालय का भ्रमण किया गया। भ्रमण प्रारम्भ करने से पूर्व राज्य स्तरीय दल द्वारा मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा0 आर0बी0 राम से भेंट की गई तथा अपने चिकित्सालय आने के उद्देश्य से अवगत कराया गया। चिकित्सालय प्रबन्धक श्री अमीरूल इस्लाम के साथ चिकित्सालय के भ्रमण के दौरान पाया गया कि–

प्रसव कक्ष – भ्रमण के दौरान कक्ष में सेवन ट्रे, रेडिएंट वार्मर प्रोटोकाल पोस्टर, के0एम0सी0 कक्ष, आक्सीजन स्लेंडर रेफरल रजिस्टर, फिटोस्कोप, बी0पी0 इंस्ट्रूमेंट, स्टेथोस्कोप, प्रसव टेबल, मैकेन टार्च शीट, कैलीसपेड, आटोक्लेव मशीन, बॉयलर एवं स्वच्छ शौचालय की उचित व्यवस्था पाई गई।
प्रसव कक्ष में पी0पी0एच0 किट तथा पल्स आक्सीमीटर की व्यवस्था नही थी।

- ✓ एच0आर0पी0 रजिस्टर उपलब्ध नही था।
- ✓ प्रसव रजिस्टर पर एम0सी0टी0एस0 सं0 का अंकन किये जाने के स्थान पर लाभार्थियों के मोबाईल नं0 का अंकन किया जा रहा था। उक्त के सम्बन्ध में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक महोदय को अवगत कराया गया है। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक द्वारा उक्त के सम्बन्ध में अवगत कराया गया कि एम0सी0टी0एस0 सं0 के सम्बन्ध में मुख्य चिकित्साधिकारी से वार्ता कर समस्या का समाधान किया जायेगा।
- ✓ प्रसव रजिस्टर में नवजात शिशुओं को दिये जाने वाले विटामिन ''के'' की सूचना विधिवत अंकित नहीं की जा रही थी। पूछने पर स्टाफ नर्स द्वारा बताया गया कि कभी कभी भूल वश अंकन छूट जाता है। उक्त के सम्बन्ध में, नर्स मेंटर को राज्य स्तरीय दल द्वारा निर्देशित किया गया कि वह उन समस्त स्टाफ नर्सों को प्रसव रजिस्टर के प्रत्येक कालम एवं उसमें अंकन के सम्बन्ध में अभिमुखीकृत करें जिससे कि भविष्य में इस प्रकार की पुनरावृत्ति न हो।
- ✓ जे0एस0एस0के0 डाईट चार्ट उपलब्ध नहीं था। किन्तु जे0एस0एस0के0 डाईट रजिस्टर बना हुआ था, आवश्यक जानकारी भरी हुई थी, लेकिन उस पर वार्ड प्रभारी के हस्ताक्षर नही थे। उपस्थित स्टाफ नर्स को निर्देशित किया गया कि रजिस्टर पर वार्ड प्रभारी के हस्ताक्षर कराया जाना सुनिश्चित करें।

- **ए0एन0सी0 वार्ड –** बाथरूम साफ नही था तथा बाथरूम में कचरे का डिब्बा रखा पाया गया। वाश बेसिन का पाईप टूटा हुआ पाया गया। पूछने पर सम्बन्धित स्टाफ द्वारा अवगत कराया गया कि यहां पर नियमित सफाई कराई जाती है, परन्तु लाभार्थियों द्वारा अनावश्यक वस्तुएं भी शौचालय में डाल दी जाती है, जिससे शौचालय चोक हो जाता है।

- पी0एन0सी0वार्ड – वार्ड में साफ–सफाई पायी गयी। भर्ती लाभार्थियों से पूँछने पर ज्ञात हुआ कि उन्हें समय पर नाश्ता एवं भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। परन्तु वार्ड में डाईट चार्ट उपलब्ध नहीं था। उक्त के सम्बन्ध में चिकित्सालय प्रबन्धक को यथाशीघ्र डाईट चार्ट वार्ड में यथा स्थान लगवाने हेतु निर्देशित किया गया।

- एस0एन0सी0यू0 वार्ड – वार्ड में उपलब्ध बेड के सापेक्ष भर्ती बच्चों की संख्या अधिक थी। एक बेड पर दो से ती बच्चे तक भर्ती थे। कुछ बच्चों के कलाई पर टैग लगाने के स्थान पर पेट पर टेप चस्पा किया गया था। उसके सम्बन्ध में सम्बन्धित स्टाफ नर्स से कह कर टेप हटवाया गया और भविष्य में ऐसा न करने हेतु निर्देशित किया गया।

- आई0सी0यू0 वार्ड में एक मॉनीटर खराब पाया गया। उक्त के सम्बन्ध में कर्मचारियों द्वारा अवगत कराया गया कि एजेन्सी द्वारा शीघ्र ही मॉनीटर ठीक करने का आश्वासन दिया गया है।

- पैथोलॉजी में कार्य कर रहे कर्मचारियों/पैरामेडिकल स्टाफ को पी0पी0ई0 के सम्बन्ध में अभिमुखीकृत किये जाने की आवश्यकता है। उक्त के सम्बन्ध में नर्स मेंटर एवं चिकित्सालय

प्रबन्धक को निर्देशित किया गया कि वह समस्त कर्मचारियों को पी0पी0ई0 के सम्बन्ध में अभिमुखीकृत करें।

- एक्स–रे टेक्नीशियन द्वारा लेड एप्रेन का प्रयोग नहीं किया जा रहा था। पूँछने पर बताया कि वर्क लोड अधिक होने के कारण वह लेड–एप्रेन का प्रयोग नहीं कर रहा है। उक्त के सम्बन्ध में नर्स मेंटर एवं चिकित्सालय प्रबन्धक को निर्देशित किया गया कि वह एक्स–रें यूनिट के कर्मचारियों को लेड–एप्रेन/पी0पी0ई0 के सम्बन्ध में अभिमुखीकृत करे।
- एन0आर0सी0 – भर्ती बच्चों के सम्बन्ध में जानकारी विधिवत रूप से अपडेट नहीं थी। उक्त के सम्बन्ध में पूँछने पर स्टाफ नर्स द्वारा अवगत कराया गया कि वह सूचनाओं को साप्ताहिक अपडेट कराती रहती है। उक्त के सम्बन्ध में स्टाफ नर्स को निर्देशित किया गया कि वह प्रतिदिन आवश्यक सूचनाओं को अद्युनांत कराती रहें।
- एन0आर0सी0 में ओ0आर0एस0, विटामिन ए, जिन्क, मैगनीश्यिम इत्यादि उपलब्ध नहीं था। उक्त के सम्बन्ध में पूँछने पर स्टाफ नर्स द्वारा अवगत कराया गया कि दवाईयों हेतु इन्डेन्ट किया जा चुका है।
- फैमिली प्लानिंग काउन्सलर के बैठने की समुचित व्यवस्था नहीं है उक्त के सम्बन्ध मुख्य चिकित्सा अधीक्षक महोदय को अवगत कराया गया। उन्होंने बताया कि काउन्सलर के बैठने हेतु चिकित्सालय में स्थान देखा जा रहा है,शीघ्र व्यवस्था कर दी जाएगी।
- चिकित्सालय में, पी0पी0आई0यू0सी0डी0 लगाई जा रही थी तथा प्रोत्साहन राशि का भुगतान किया जा रहा था, किन्तु रजिस्टर पर सूचनाओं का अंकन सही प्रकार से नहीं किया गया था।
- नये गर्भ निरोधक, अन्तरा इन्जेक्शन एवं छाया गोली का वितरण लाभार्थियों को किया जा रहा है। वितरण रिकार्ड रजिस्टर उपलब्ध है।
- शिकायत निवारण पेटिका ओ0पी0डी0 के पास लगी हुई थी।
- कण्डोम बाक्स भी ओ0पी0डी0 के पास लगा हुआ था, किन्तु खाली था।

जिला संयुक्त चिकित्सालय भ्रमण के दौरान पायी जाने वाली कमियों के विषय में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक महोदय को अवगत कराया गया।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ने बताया कि एन0आर0सी0 में ओ0आर0एस0, विटामिन ए, जिन्क, मैगनीश्यिम इत्यादि की उपलब्धता हेतु मुख्य चिकित्साधिकारी महोदय को पत्र प्रेषित किया जायेगा जिससे आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक महोदय द्वारा शेष कमियों को तय समय में दूर करने हेतु आश्वासन दिया गया।

<u>सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र,फरेन्दा ब्लाक</u> –

राज्य स्तरीय दल द्वारा उक्त स्वास्थ्य केन्द्र का भ्रमण बी0ए0एम0 के साथ किया गया। स्वास्थ्य केन्द्र पर बी0पी0एम0 श्री सतीश कुमार तथा बी0सी0पी0एम0 सुश्री बबीता शर्मा राज्य स्तरीय दल के भ्रमण के सम्बन्ध में पूर्व सूचना के बाद भी अनुपस्थित मिले।

<u>प्रसव कक्ष</u> – उक्त स्वास्थ्य केन्द्र पर प्रति माह औसतन 200–300 प्रसव प्रतिमाह होते है। प्रसव कक्ष में उपलब्ध प्रसव टेबलों के मध्य गोपनीयता बनाये रखने हेतु पर्दे की व्यवस्था थी। कक्ष में सेवन ट्रे, रेडिएंट वार्मर प्रोटोकाल पोस्टर, के0एम0सी0 कक्ष, आक्सीजन सेलेंडर रेफरल रजिस्टर, फिटोस्कोप, बी0पी0 इंस्ट्रूमेंट, स्टेथोस्कोप, प्रसव टेबल, मैकेन टार्च शीट, कैलीसपेड, आटोक्लेव मशीन, बॉयलर एवं स्वच्छ शौचालय की उचित व्यवस्था पाई गई।

- प्रसव कक्ष में पी0पी0एच0 किट की व्यवस्था नही थी।
- प्रसव कक्ष में पंखा लगा था किन्तु काफी गर्मी और घुटन थी।
- एच0आर0पी0 रजिस्टर उपलब्ध नही था।
- प्रसव रजिस्टर में एम0सी0टी0एस0 सं0 का अंकन नही था, जबकि भुगतान किया जा रहा था।

- कोई भी महिला वार्ड में भर्ती नहीं थी।

<u>एस0एन0सी0यू0 कक्ष</u> – कक्ष में पंखा लगा था किन्तु काफी गर्मी और घुटन थी। कोई भी बच्चा उस वक्त कक्ष में भर्ती नहीं था।

- आशा शिकायत निवारण समिति का गठन किया गया है। उक्त के सम्बन्ध में दीवार पर बोर्ड लगाया गया था।

<u>102 एवं 108 एम्बूलेंस</u> –

चिकित्सालय में खड़ी 102 एवं 108 एम्बूलेंस का निरीक्षण दल द्वारा किया गया। राज्य स्तरीय चेक लिस्ट के अनुसार उक्त दोनों एम्बूलेंस में सभी आवश्यक सामग्री, दवाईयां तथा उपकरण उपलब्ध पाये गये तथा एम्बूलेंस का फर्नीचर सही अवस्था में पाया गया।

राज्य स्तरीय दल द्वारा गत् माह मई 2018 तक उपलब्ध बजट के सापेक्ष किये गये व्यय की समीक्षा की गई। विभिन्न कार्यक्रम गतिविधिवार उपलब्ध बजट रू0 1592227.00 के सापेक्ष मई 2018 तक रू0 1410827.00 व्यय किया गया। विस्तृत गतिविधिवार व्यय प्रपत्र की प्रति, रिपोर्ट के साथ संलग्न है।

नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द– नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर भ्रमण के दौरान स्टाफ नर्स सुश्री सुमन पाण्डे एवं सुश्री शिल्पा, फार्मासिस्ट श्री हरीकश यादव एवं ए0एन0एम0 उपस्थित पायी थी। नगरीय स्वास्थ्य केन्द्र, महराजगंज के भ्रमण के दौरान पाया गया कि–

- ✓ प्रसव कक्ष में प्रकाश की उचित व्यवस्था नहीं थी। कक्ष में स्पिल ब्लड मैनेजमेंट किट एवं मरकरी मैनेजमेंट किट पायी गयी। कक्ष में ट्रे, रेडिएंट वार्मर प्रोटोकाल पोस्टर, के0एम0सी0 कक्ष, आक्सीजन सेलेंडर, बी0पी0 इंस्ट्रूमेंट, स्टेथोस्कोप, प्रसव टेबल, मैकेन टार्च शीट, कैलीसपेड, बॉयलर एवं स्वच्छ शौचालय की उचित व्यवस्था पाई गई।
- ✓ एच0आर0पी0 रजिस्टर, स्टाक रजिस्टर एवं इन्डोर रजिस्टर उपलब्ध नहीं था।
- ✓ स्टाफ नर्स द्वारा जाँच हेतु आये रोगियों का नाम एक सादे कागज पर अंकित किया गजा रहा था। उक्त के सम्बन्ध में पूँछने पर स्टाफ नर्स द्वारा अवगत कराया गया कि वह बाद में इन नामों को रजिस्टर में अंकित कर लेती है। राज्य स्तरीय दल द्वारा स्टाफ नर्स को निर्देशित किया गया कि वह रोगियों की जाँच के पूर्व ही रोगी का नाम पता रजिस्टर में अंकित कर लिया करे। इस प्रकार सादे कागज पर न अंकित करे।
- ✓ प्रसव रजिस्टर पर एम0सी0टी0एस0 स0 का अंकन नहीं किया जा रहा था। उक्त के सम्बन्ध में स्टाफ नर्स को निर्देशित किया गया कि वह ए0एन0एम0 अथवा आशा के माध्यम से एम0सी0टी0एस0 सं0 को लेकर रजिस्टर मे अंकित करे।
- ✓ प्रसव रजिस्टर पर नवजात को लगने वाले टीके के कॉलम में कोई सूचना का अंकन नहीं किया जा रहा था। उक्त के सम्बन्ध में स्टाफ नर्स को निर्देशित किया गया कि नवजातों को लगने वाले टीकों का अंकन रजिस्टर में टीके लगाने के तुरन्त बाद अवश्य कर लें।
- ✓ ए0एन0एम0 के पास पोलियो बैक्सीन तृतीय स्टेज की पायी गयी। ए0एन0एम0 को निर्देशित किया गया कि वह थर्ड स्टेज की किसी भी बैक्सीन का प्रयोग कदापि न करे एवं कोल्ड चेन को बरकरार रखने का प्रयत्न करें।
- ✓ नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के फार्मेसी में समस्त आवश्यक औषधियाँ उपयुक्त मात्रा में उपलब्ध थीं।

तृतीय दिवस दिनांक 20 जून 2018

उपकेन्द्र, सिसवनियाँ, महाराजगंज

बी0पी0एम0, सदर, महराजगंज के साथ उपकेन्द्र, सिसवनियाँ, महाराजगंज का भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान ए0एन0एम0 मनोरमा पटेल द्वारा अवगत कराया गया कि उपकेन्द्र पर प्रतिमाह लगभग 100 से 120 प्रसव होते हैं। उपकेन्द्र के प्रसव कक्ष हेतु आवश्यक उपकरण एवं औषधियाँ उपकेन्द्र पर पायी गयीं।

- ✓ प्रसव कक्ष में बजली की उचित व्यवस्था न होने के कारण पंखा आदि नहीं चल रहा था। ए0एन0एम0 द्वारा अवगत कराया गया कि उचित बैटरी बैकअप न होने के कारण शाम को प्रसव कराने में परेशानी होती है। इन्वर्टर बैटरी की खरीद हेतु पत्र उपलब्ध कराया जा चुका है। परन्तु अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई।
- ✓ प्रसव रजिस्टर पर एम0सी0टी0एस0 सं0 का अंकन नहीं किया जा रहा है।
- ✓ प्रसव कक्ष से लगा हुये शौचालय का फर्श टूटा हुआ था। उक्त के सम्बन्ध में बी0पी0एम0 द्वारा ए0एन0एम0 को निर्देशित किया गया वह शौचालय का फर्श ठीक करा कर टाईल्स लगवा ले। पेमेन्ट कर दिया जायेगा।
- ✓ उपकेन्द्र पर अवस्थित इण्डिया मार्का हैण्डपम्प भी खराब था। पूँछने पर ए0एन0एम0 ने बताया कि इस बारे में ग्राम प्रधान को सूचित किया जा चुका है तथा पत्र भी प्रेषित किया गया है, परन्तु अभी तक इस बारे में उनके स्तर से कार्यवाही नहीं हुई है। उक्त के क्रम में बी0पी0एम0 को निर्देशित किया गया कि वह प्रधान से समन्वय स्थापित कर हैण्डपम्प की मरम्मत कराये अथवा उपकेन्द्र में किसी अन्य स्थान पर दूसरा हैन्डपम्प लगावाये जिससे रोगियों को स्वच्छ पीने का पानी उपलब्ध हो सके।
- ✓ उपकेन्द्र पर ओ0आर0एस0 का स्टॉक उपलब्ध नहीं पाया गया। राज्य स्तरीय दल द्वारा निर्देशित किया गया कि उपकेन्द्र पर ओ0आर0एस0 की उपलब्धता सुनिश्चित की जाये।
- ✓ उपकेन्द्र पर उपकेन्द्र के नाम का बोर्ड नहीं लगा हुआ था। उक्त के सम्बन्ध में ए0एन0एम0 द्वारा अवगत कराया गया कि नया बोर्ड बनवाया जा रहा है। शीघ्र ही बोर्ड लगा दिया जायेगा।
- ✓ उपकेन्द्र की दीवारों पर सीटीजन चार्टर, एवं अन्य संदेशों का दीवार लेखन नहीं कराया गया था। उक्त के सम्बन्ध में ए0एनएम0 द्वारा अवगत कराया गया कि उपकेन्द्र भवन की पुताई कराये जाने के कारण संदेश मिट गये हैं। शीघ्र ही समस्त संदेशों को पुनः दीवार लेखन कराया जायेगा।

ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस

बैजनाथपुर काला :– ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस का आयोजन ग्राम पंचायत भवन पर किया जा रहा था। उक्त दिवस के दौरान ए0एन0एम0 सुश्री रीना तथा आशा इंदू उपस्थित थी।

भ्रमण के दौरान पाया गया कि –

- ✓ दिवस का आयोजन कार्यक्रम माइक्रो प्लानिग के अनुसार किया जा रहा था, किन्तु माइक्रो प्लान की प्रति उस वक्त उपलब्ध नहीं थी।
- ✓ दिवस की सूचना हेतु सत्र स्थल पर बैनर लगा हुआ था।
- ✓ सत्र स्थल पर समस्त आवश्यक सामग्री एवं वैक्सीन उपलब्ध थी।
- ✓ लाभार्थियों को दी जाने वाली दवाईयां टेबल पर अस्त व्यस्त दशा मे पाई गई। ए0एन0एम0 द्वारा दवाईयां ठीक प्रकार से रखवाई गई एवं भविष्य में व्यवस्थित तरीके से दवाईयां रखने

की सलाह दी गई।

- ✓ सत्र स्थल पर तख्त पर गर्भवती महिलाओं की जांच की जा रही थी।
- ✓ ए0एन0एम0 के पास उपलब्ध ड्यू लिस्ट के अनुसार 65 प्रतिशत लाभार्थियों का टीकाकरण किया जा चुका था, शेष लाभार्थियों को सत्र स्थल पर सेवांए प्राप्त करने हेतु बुलाने के लिए आशा एवं आंगनबाड़ी द्वारा प्रयास किया जा रहा था।
- ✓ सत्र स्थल पर उपस्थित लाभार्थियों के एम0सी0पी0 कार्ड पर एम0सी0टी0एस0 सं0 दर्ज नहीं थी। उक्त के सम्बन्ध में ए0एन0एम0 को निर्देशित किया गया कि वह एम0सी0पी0 कार्ड पर एम0सी0टी0एस0 सं0 अवश्य दर्ज कराए।
- ✓ आशा के पास उपलब्ध ग्राम सूचकांक रजिस्टर के निरीक्षण के दौरान पाया गया कि विशिष्ट परिवार सं0 दो बार दर्ज की गई थी, जिसे सही कराया गया।
- ✓ ग्राम सूचकांक रजिस्टर पर परिवार सं0 क्रमांक का अंकन क्रमबद्वता के साथ नही किया गया था। उक्त के सम्बन्ध में आशा एवं बी0पी0एम0 को निर्देशित किया गया कि वह परिवार सं0 क्रमबद्व तरीके से अंकित करे।
- ✓ उक्त के सम्बन्ध में बी0पी0एम0 को निर्देशित किया गया कि वह बी0सी0पी0एम0 एवं आशा संगिनियो के साथ क्लस्टर बैठक के दौरान आशाओ की पंजिकाओं का अवलोकन कर लें, जहाँ कहीं भी इस प्रकार की कमी पायी जाये उसे तत्काल दूर किया जाये। समस्त आशाओं की पंजिका को पूर्ण कराया जाये एवं पंजिका पर समस्त सूचनाये पेन से अंकित की जायें।

<u>ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस</u>

<u>रामपुर बजरंग (रमापति टोला)</u> :– ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस का आयोजन किया जा रहा था। उक्त दिवस के दौरान ए0एन0एम0 सुश्री मीरा मौर्या तथा आशा प्रियंका देवी सत्र स्थल पर उपस्थित थी। भ्रमण के दौरान पाया गया कि –

दिवस का आयोजन कार्यक्रम माइक्रो प्लानिग के अनुसार किया जा रहा था, किन्तु माइक्रो प्लान की प्रति उपलब्ध नहीं थी।

- ✓ दिवस की सूचना हेतु सत्र स्थल पर बैनर लगा हुआ था।
- ✓ सत्र स्थल पर समस्त आवश्यक सामग्री एवं वैक्सीन उपलब्ध थी, किन्तु अस्त व्यस्त दशा मे पाई गई। राज्य स्तरीय दल द्वारा ए0एन0एम0 से दवाईयां ठीक प्रकार से रखवाई गई एवं भविष्य में व्यवस्थित तरीके से दवाईयां रखने की सलाह दी गई।

- ✓ सत्र स्थल पर तख्त पर गर्भवती महिलाओं की जांच की जा रही थी।
- ✓ ए0एन0एम0 के पास उपलब्ध ड्यू लिस्ट के अनुसार 80 प्रतिशत लाभार्थियों का टीकाकरण किया जा चुका था, शेष लाभार्थियों को सत्र स्थल पर सेवांए प्राप्त करने हेतु बुलाने के लिए आशा द्वारा प्रयास किया जा रहा था।
- ✓ सत्र स्थल पर उपस्थित लाभार्थियों के एम0सी0पी0 कार्ड पर एम0सी0टी0एस0 सं0 दर्ज नहीं थी। उक्त के सम्बन्ध में ए0एन0एम0 को निर्देशित किया गया कि वह एम0सी0पी0 कार्ड पर एम0सी0टी0एस0 सं0 अवश्य दर्ज कराए।
- ✓ आशा के पास उपलब्ध ग्राम सूचकांक रजिस्टर के निरीक्षण के दौरान पाया गया कि विशिष्ट परिवार सं0 दर्ज नहीं की गई थी, जिसे सही करने हेतु आशा को निर्देशित किया गया।
- ✓ ग्राम सूचकांक रजिस्टर के परिवार नियोजन तालिका, एक से दो वर्ष के बच्चों के टीकाकरण की तालिका, योग्य दम्पत्तियों की तालिका, एच0बी0एन0सी0 की तालिका में विशिष्ट परिवार

सं0 का अंकन नहीं किया गया था।उक्त के सम्बन्ध मे बी0पी0एम0 को निर्देशित किया गया कि वह बी0सी0पी0एम0 एवं आशा संगिनियो के साथ क्लस्टर बैठक के दौरान आशाओ की पंजिकाओं का अवलोकन कर लें, जहाँ कहीं भी इस प्रकार की कमी पायी जाये उसे तत्काल दूर किया जाये। समस्त आशाओं की पंजिका को पूर्ण कराया जाये एवं पंजिका पर समस्त सूचनाये पेन से अंकित की जायें।

जनपद कुशीनगर **20 – 22 जून 2018**

<u>सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, कप्तानगंज</u>

उक्त स्वास्थ्य केन्द्र पर बी0सी0पी0एम0 सुश्री वीनीता मौर्या तथा बी0ए0एम0 संदीप गौड़ उपस्थित थे। जिनके साथ चिकित्सालय का भ्रमण किया गया।

<u>प्रसव कक्ष</u> – प्रसव कक्ष में रोशनी की उचित व्यवस्था नही थी। सेवेन ट्रे नही पाई गई। प्रसव टेबल साफ अवस्था में पाई नहीं गई। प्रसव कक्ष में ही के0एम0सी0 स्थापित किया गया था, जो कि दयनीय अवस्था में पाया गया। प्रसव कक्ष के साथ लगे शौचालय में गंदगी की भरमार थी। प्रसव रजिस्टर में सूचनाओं का आधा–अधूरा अंकन किया गया था। एम0सी0टी0एस0 सं0 अंकित नहीं की जा रही थी, परन्तु जननी सुरक्षा योजना के लाभार्थियों का भुगतान किया जा रहा है।

प्रसव रजिस्टर का अवलोकन करने के पश्चात यह ज्ञात हुआ कि नवजातो का टीकाकरण नहीं किया जा रहा है। विगत माह में कुल जन्में 116 बच्चों में से केवल 28 बच्चों का टीकाकरण किया गया। पूँछने पर स्टाफ नर्स द्वारा बताया गया कि महिलायें प्रसवोपरान्त रूकती नहीं हैं। इसलिए बच्चों का टीकाकरण नहीं हो पा रहा है।

कोल्ड चेन–चिकित्सालय में तीन डीप फ्रीजर थे परन्तु काम नहीं कर रहे थे। सम्बन्धित कर्मचारियों से इस सम्बन्ध में पूँछने पर कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दिया गया। एक डीप फ्रीजर की तली में जंग लगा हुआ था। कोल्ड चेन में थर्ड स्टेज के टीके रखे हुए थे। चिकित्सालय परिसर में टीकाकरण रही ए0एन0एम0 श्रीमती सीमा गौड़ द्वारा थर्ड स्टेज का टीका लाभार्थियों को लगाया जा रहा था। दल द्वारा स्थल पर जाकर ए0एन0एम0 को थर्ड स्टेज की वैक्सीन वार्ड में एक भी रोगी भर्ती नहीं था।

परिवार नियोजन–परिवार नियोजन परामर्शदाता सुश्री किरण कुशवाहा चिकित्सालय परिसर में उपस्थित नहीं थी। ज्ञात हुआ कि वह 1 से 2 के मध्य ओ0पी0डी0 के बाद ही चली जाती है।जबकि कार्यालय समय 8–4 है। भ्रमण के समय उनका कक्ष भी बंद पाया गया।

आशा संगिनी, वी.एच.एस.एन.सी., क्लस्ट बैठक, आशा भुगतान तथा शिकायत निवारण के रजिस्टर बने ही नहीं थे। राज्य स्तरीय दल द्वारा बी0सी0पी0एम0 को निर्देशित किया गया कि उक्त रजिस्टरों को तुरन्त बनाकर सम्बन्धित सूचनाएं रजिस्टर पर अंकित की जाये।

चिकित्सालय परिसर में कलर कोडेड डस्ट बिन नही पाई गई। Bio Medical waste management के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। राज्य स्तरीय दल द्वारा जिला क्वालिटी परामर्शदाता को निर्देशित किया गया कि वह जिला स्तरीय टीम के सहयोग से जनपद के प्रत्येक चिकित्सा इकाई पर Bio Medical waste management के सम्बन्ध में कार्यशाला का आयोजन कर समस्त कर्मचारियों को अभिमुखीकृत करें।

इकाई के फार्मासिस्ट श्री शैलेश पाण्डेय द्वारा अवगत कराया गया कि चिकित्सालय परिसर में पर्याप्त जगह की कमी होने के कारण दवाईयों के रख रखाव में समस्या आती है।

जिला संयुक्त चिकित्सालय, कुशीनगर

- महिला वार्ड के शौचालय में ताला लगा था। ताला खुलवाने पर पाया गया कि शौचालय में पानी आपूर्ति की व्यवस्था नहीं है। महिला रोगियो से पूछने पर ज्ञात हुआ कि वह बाहर शौचालय हेतु जाते है। शौचालय मे अक्सर ताला पड़ा रहता है। यह अत्यधिक आपत्तिजनक है। उक्त के सम्बन्ध में सम्बन्धित अधिकारी को निर्देशित किया गया वह समस्त कमियों को तत्काल दूर कर जे0एस0वाई0 लाभार्थियों हेतु शौचालय की सुविधा उपलब्ध करायें। उक्त के सम्बन्ध में दिनांक 18.05.2018 को राज्य स्तरीय दल द्वारा भ्रमण के दौरान चिकित्सालय प्रबन्धन एवं मुख्य चिकित्साधिकारी को अवगत कराया जा चुका है, उसके उपरान्त भी कोई कार्यवाही नहीं की गयी जो कि खेद का विषय है।

- वार्ड में साफ सफाई की उचित व्यवस्था न होने के कारण गंदगी फैली हुई थी।
- बायो मेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट की उचित व्यवस्था नहीं थी। पूछने पर पता चला कि जिस एजेंसी को यह काम दिया गया है, वह समय से कूड़ा प्रबन्धन का कार्य नहीं करती है। चूंकि एजेन्सी को मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय से भुगतान किया जाता है, इसलिए वह अपनी मनमानी करता है एवं किसी की नहीं सुनता है। इस सम्बन्ध में सुझाव दिया गया कि एजेन्सी का बिल मुख्य चिकित्सा अधीक्षक द्वारा सत्यापित किये जाने के पश्चात ही मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय द्वारा भुगतान किया जाये, जिससे गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित किया जा सके।
- जे0एस0वाई0 लाभार्थियो को भोजन उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है।
- वार्ड में रखे रजिस्टरों का अवलोकन करने पर पाया गया कि जानकारी पूर्णतया ठीक प्रकार से अंकित नही की गई थी। एम0सी0टी0एस0 सं0 रजिस्टर में दर्ज नहीं की गई थी।
- सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की आवश्यकता है, परन्तु इस कार्य हेतु धनराशि कहाँ से प्राप्त होगी, स्पष्ट नहीं है।
- चिकित्सालय में विद्युत विभाग द्वारा Independent Feeder स्थापित नहीं किया गया है। अवगत कराया गया कि उक्त कार्य हेतु रू0 80 लाख का भुगतान किया जा चुका है, शेष धनराशि का भुगतान किया जाना है।
- PICU वार्ड में भ्रमण के दौरान ज्ञात हुआ कि एक वेंटिलेटर और फ्यूज पम्प विगत 03 माह से खराब है। यह मशीन पुष्पा इंटरप्राईजेज द्वारा वार्षिक देख रेख की जाती है तथा राज्य स्तर से अनुबंधित है। मशीन में उक्त खराबी के बारे में एजेंसी को अवगत कराया जा चुका है,किन्तु उनके द्वारा अब तक कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है।
- प्रयोगशाला कक्ष में उपस्थित कर्मचारियों द्वारा ड्रेस कोड (एप्रेन एवं ग्लब्स) का पालन नहीं किया जा रहा था।
- प्रयोगशाला एवं एक्स रे कक्ष में उपस्थित कर्मचारियों द्वारा पी0पी0ई का प्रयोग नहीं किया जा रहा था।
- हास्पिटल मैनेजर से वार्ता करने के दौरान यह ज्ञात हुआ कि चिकित्सालय में सिक्योरिटी गार्ड की आवश्यकता है।

- चिकित्सालय में स्प्रिट क्रय करने का लाईसेंस 03 माह में समाप्त हो जाता है। इसके लिए आबकारी विभाग से लाईसेंस नवीनीकरण में समस्या आती है। इसके निराकरण हेतु हास्पिटल मैनेजर द्वारा अनुरोध किया गया कि लाईसेस का नवीनीकरण कम से कम 01 साल में कराने हेतु राज्य स्तर से प्रयास करने का अनुरोध किया गया।
- उपरोक्त बिन्दुओं के सम्बन्ध में दिनांक 18.05.2018 को राज्य स्तरीय दल द्वारा किये गये भ्रमण के दौरान चिकित्सालय प्रबन्धन/सम्बन्धित अधिकारियों एवं कार्यवाहक मुख्य चिकित्साधिकारी महोदय को अवगत कराया जा चुका था। उसके उपरान्त भी कोई सुधार नही पाया गया।
- गत भ्रमण में राज्य स्तरीय दल द्वारा दिये गये सुझावो के अनुसार चिकित्सालय भवन में ओ0पी0डी के पास शिकायत पेटिका लगा दी गई।
- ओ0पी0डी0 के पास कन्डोम बाक्स भी लगाया गया है।
- चिकित्सालय हेतु सी0टी0 स्कैन मशीन अनुदान स्वरूप प्राप्त हुई थी जो कि वर्तमान में खराब पड़ी है। उक्त के सम्बन्ध में बात करने पर ज्ञात हुआ कि मशीन को बनवाने हेतु प्रयास किये जा चुके हैं परन्तु बन नहीं पायी है। मशीन को बनवाने एवं संचालित (जेनरेटर व्यवस्था आदि) करने हेतु रू0 54 लाख की आवश्यकता है। उक्त के सम्बन्ध में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक द्वारा अवगत कराया गया कि धनराशि हेतु पत्राचार किया गया है।
- चिकित्सालय में लैप्रोस्कोपिक नसबंदी नहीं की जा रही है। जबकि एक चिकित्सक डा0 आभा लैप्रो प्रशिक्षित है। इस बारे में चिकित्सा अधीक्षक को अवगत कराया गया तो उन्होंने बताया कि चिकित्सालय में पर्याप्त प्रशिक्षित सर्जन उपलब्ध नहीं होने एवं अधिक कार्यभार के कारण नसबंदी नहीं हो पा रही है इस बारे में वह मुख्य चिकित्साधिकारी से प्रशिक्षित सर्जन उपलब्ध कराने हेतु पत्र द्वारा अनुरोध किया जायेगा, जिससे नियमित नसबंदी की जा सके।
- एस0एन0सी0यू0 वार्ड में Bio Medical waste management के बारे में कर्मचारियों को पर्याप्त जानकारी नहीं थी। उक्त के सम्बन्ध में Hospital Manager को समस्त कर्मचारियों को Bio Medical waste management के बारे में अभिमुखीकृत करने हेतु निर्देशित किया गया।
- एस0एन0सी0यू0 वार्ड में भर्ती मरीजो (बच्चों) के परिजनों से पूँछने पर ज्ञात हुआ कि उन्हे बासी खाना दिया जा रहा है। उक्त के सम्बन्ध में मुख्य चिकित्साधीक्षक महोदय को अवगत करा दिया गया। मुख्य चिकित्साधीक्षक महोदय द्वारा वेण्डर के विरूद्व कार्यवाही करने का आश्वासन दिया गया।

<u>सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, नेबुआ नौरगिया :–</u>

चिकित्सालय के भ्रमण के दौरान प्रभारी चिकित्साधिकारी के साथ नेबुआ नौरगिया चिकित्सालय परिसर का भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान यह पाया गया कि –

- चिकित्सालय में प्रतिदिन 6–7 तथा माह में लगभग 180 होते हैं फिर भी मात्र एक स्टाफ नर्स कार्यरत है। जनपद स्तर पर समीक्षा करने पर ज्ञात हुआ कि संविदा के अन्तर्गत नियुक्त स्टाफ नर्सों की आवश्यकतानुसार तैनाती नहीं की गयी है। कुछ इकाईयों पर आवश्यकता से अधिक नर्स तैनात हैं जबकि दूरस्थ सी0एच0सी0 पर नर्सों की कमी है।
- लेबर रूम में प्रसव हेतु तीन टेबल हैं किन्तु उनके बीच गोपनीयता हेतु पर्दे की व्यवस्था नहीं थी।

- रजिस्टर में प्रसवों की जानकारी पूर्णतया ठीक प्रकार से अंकित नही की गई थी। एम0सी0टी0एस0 सं0 का विवरण रजिस्टर में दर्ज नही था। ज्ञात हुआ कि विटामिन के की आपूर्ति जिला स्तर से नहीं की जा रही है तथा किसी भी नवजात को विटामिन के नहीं दिया जा रहा है।

- राज्य स्तरीय दल द्वारा सुझाव दिया गया कि रोगियो को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने हेतु भी आर0के0एस0 की धनराशि का व्यय किया जा सकता है।
- चिकित्सालय में भर्ती महिला रोगियों (जे0एस0वाई0 लाभार्थियों) से पूछने पर पता चला कि उनको भोजन नहीं दिया जा रहा है। Second MO को इस सम्बन्ध में अवगत करा दिया गया।
- वार्ड में कूलर आदि का इंतजाम नहीं है। चिकित्सकों के कक्ष में भी ए0सी0 एवं कूलर उपलब्ध न होने के कारण कार्य स्थल सुविधाजनक नहीं है।
- फैसिलिटी ब्राडिंग की गई थी, परन्तु चिकित्सालय का नाम सम्बन्धी साईन बोर्ड का अभाव था। फैसिलिटी ब्राडिंग का कार्य अपूर्ण तथा त्रृटिपूर्ण पाया गया।
- कोल्ड चेन का भ्रमण करने पर पाया गया कि –
  - आई0पी0वी0 की आपूर्ति कम होने के कारण निर्धारित मात्रा से कम पाई गई।
  - वैक्सीन थर्ड स्टेज की होने के बाद भी उपयोग की जा रही थी। उक्त के सम्बन्ध में उपस्थित ए0एन0एम0 द्वारा अवगत कराया गया कि इसकी आपूर्ति जिला स्तर से ही की जा रही है।
  - कोल्ड चैन में रखी गई वैक्सीन व्यवस्थित पाई गई।
  - रजिस्टर पर वैक्सीन सम्बन्धित जानकरी विधिवत अंकित की गई थी।
  - उपरोक्त बिन्दुओं के सम्बन्ध में राज्य स्तरीय दल द्वारा दिनांक 18.05.2018 को किये गये भ्रमण के दौरान प्रभारी चिकित्साधिकारी/अधीक्षक, निबुआ नौरगिया के भ्रमण पश्चात कार्यवाहक मुख्य चिकित्साधिकारी से सम्पर्क कर उन्हे उपरोक्त भ्रमण बिन्दुओं से अवगत कराया गया तथा टीम का फीडबैक प्रदान किया गया था, परन्तु उसके पश्चात चिकित्सा इकाई स्तर पर कोई सुधार नहीं पाया गया।

पंचम दिवस दिनांक 22 जून, 2018

नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, कानूटोला

नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, कानूटोला, कुशीनगर के भ्रमण के दौरान यह पाया गया कि –

- चिकित्सालय में प्रतिदिन 2 से 3 प्रसव हो रहे हैं, परन्तु प्रसव रजिस्टर में एम0सी0टी0एस0 संख्या दर्ज नहीं पाई गई। लेकिन लाभार्थियों का भुगतान किया जा रहा था।
- कम वजन वाले नवजात बच्चों का रिकार्ड नहीं पाया गया। भ्रमण दल द्वारा कम बजन के नवजात बच्चों का रिकार्ड रखने हेतु निर्देशित किया गया।
- एच0आर0पी0 का कोई रिकार्ड नहीं पाया गया। भ्रमण दल द्वारा एच0आर0पी0 रजिस्टर अद्युनांत रखने हेतु निर्देशित किया गया।
- उपस्थित स्टार्फ नर्स को प्रसव रजिस्टर के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं है। जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, कुशीनगर को स्टाफ नर्स का अभिमुखीकरण कराने हेतु सुझाव दिया गया।
- परिवार नियोजन सेवाए –ए0एन0एम0 द्वारा कण्डोम, गर्भनिरोधक गोली का वितरण तो किया जा रहा है, लेकिन उसका कोई रिकार्ड उपलब्ध नहीं मिला।
- केन्द्र पर पी0पी0आई0यू0सी0डी0 लगाने की सुविधा उपलब्ध नही है। पी0पी0आई0यू0सी0डी0 लगवाने के इच्छुक महिलाओं को जिला चिकित्सालय रिफर कर दिया जाता है। लेकिन केन्द्र पर रिफरल रिकार्ड उपलब्ध नहीं है।

जनपद की चिकित्सा इकाईयों के भ्रमण के पश्चात मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, जिला संयुक्त चिकित्सालय, कुशीनगर, सम्बन्धित अधिकारी, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, निबुआ नौरंगिया एवं

कप्तानगंज एवं मुख्य चिकित्साधिकारी, जनपद कुशीनगर को भ्रमण बिन्दुओं से अवगत करा दिया गया है। सम्बन्धित अधिकारियों द्वारा भ्रमण दल द्वारा दिये फीडबैक पर उचित कार्यवाही करने का आश्वासन दिया गया।